

**उछलना** अ.क्रि. (तद्.) 1. वेग से ऊपर उठना और वापस आना 2. हर्ष से उझकना 3. अचानक अत्यधिक प्रसन्न हो जाना 4. अचानक प्रसिद्ध हो जाना।

**उछाल** स्त्री. (तद्.) 1. उछलने की क्रिया या भाव 2. ना.अर्थ. प्रचारित करना प्रयो. उसका नाम पार्टी वालों ने खूब उछाला पर वह मंत्री न बन सका।

**उछाल-पट्ट** पुं. (तत्.) खेल. एक ओर से जुड़ा और दूसरी ओर से मुक्त पटल जो गोताखोर को उछाल देकर डुबकी लगाने में सहायक होता है। diving board

**उछाह** पुं. (तद्.) 1. उत्साह, हर्ष, उमंग 2. उत्सव 3. उत्कंठा 4. हौसला।

**उजड़ना** स.क्रि. (तद्.) 1. जनशून्य होना, वीरान होना 2. बरबाद होना 3. उच्छिन्न होना।

**उजड़वाना** स.क्रि. (तद्.) उजड़ना का प्रेरक रूप, किसी को उजाड़ने में प्रवृत्त करना।

**उजड़ा** वि. (तद्.) नष्ट, बरबाद, ध्वस्त प्रयो. उजड़ा किला अपना इतिहास बता रहा है।

**उजड़** वि. (देश.) मूर्ख, असभ्य, उद्दंड प्रयो. कासिमाबाद हल्के के लोग भी बड़े उजड़ हैं, कभी कोई कत्ल हो गया, कभी कहीं डकैती पड़ गई। यहाँ लाठी चल गई, वहाँ बंदूक निकल आई।

**उजबक** पुं. (फा.) 1. तातारियों की एक जाति या उस जाति का सदस्य 2. मूर्ख, बुद्धिहीन व्यक्ति।

**उजरत** स्त्री. (अर.) 1. मजदूरी, पारिश्रमिक 2. किराया।

**उजला** वि. (तद्.) श्वेत, स्वच्छ प्रयो. बगुले का पंख उजला होता है मुहा. उजला मुँह करना- गौरवान्वित करना; उजली समझ- उज्ज्वल बुद्धि, स्वच्छ विचार।

**उजलापन** पुं. (तद्.) सफेदी, स्वच्छता।

**उजला पाख** पुं. (तद्.) उज्ज्वल पक्ष, शुक्लपक्ष की प्रतिपदा से पूर्णिमा तक के प्रद्वह दिन।

**उजागर** वि. (तद्.) 1. स्पष्ट 2. प्रकाशित, प्रकट 3. प्रसिद्ध, कीर्तिशाली।

**उजाड़** पुं. (तद्.) उजड़ा स्थान वि. 1. ध्वस्त, उजड़ा हुआ, उच्छिन्न 2. वीरान, निर्जन।

**उजाड़ना** स.क्रि. (तद्.) ध्वस्त करना, नष्ट करना, बर्बाद कर देना 2. उखाड़ना, खोद फेंकना 3. तोड़-फोड़ मचाना, ढाहना प्रयो. शाही सेना, जहाँ-जहाँ गई, खेत उजाड़ती गई।

**उजाला** पुं. (तद्.) प्रकाश मुहा. उजाला होना- दिन निकलना; उजाले का तारा- शुक्र ग्रह।

**उजाली** स्त्री. (तद्.) चाँदनी, चंद्रिका।

**उजास** पुं. (तद्.) चमक, प्रकाश, उजलापन प्रयो. कछु उजास भो प्रात समाना-राम रसायन।

**उजियाला** पुं. (देश.) दे. उजाला।

**उज्जायी प्राणायाम** पुं. (तत्.) हठयोग का एक प्राणायाम जिसमें कंठ सिकोड़ते हुए और ध्वनि करते हुए साँस को भीतर खींचते हैं और कुछ समय बाद स्वर सहित ही बाहर छोड़ते हैं इस क्रिया में फुफ्फुस पूर्णतया फैलाए जाते हैं और सीने को विजेता के समान ऊपर उठाया जाता है।

**उज्जीवन** पुं. (तत्.) 1. नया जीवन मिलना, पुनःप्राण संचार होना 2. चंगा हो जाना, मृतप्राय होकर पुनः स्वस्थ होना।

**उज्जीवी** वि. (तत्.) पुनर्जीवन प्राप्त करने वाला।

**उज्ज्वल** वि. (तत्.) 1. प्रकाशमान, शुभ 2. स्वच्छ, निर्मल, बेदाग 3. पवित्र 4. सफेद।

**उज** पुं. (अर.) 1. किसी बात पर आपत्ति, विरोध 2. बाधा प्रयो. तुम जो कुछ कहते हो ठीक है, ये लोग बेकार उज करते हैं।

**उझकना** अ.क्रि. (देश.) 1. उचकना 2. चौंकना।

**उटंग** वि. (देश.) पहनने में उचित से कम लंबाई वाला छोटा कपड़ा।